भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 984
उत्तर देने की तारीख 10.02.2025

देशज भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण

984. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देशज भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन और परिरक्षण के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार की जनजातीय इतिहास, लोक-कथाओं और कला के प्रलेखन और प्रचार-प्रसार के लिए राज्य सरकारों के साथ कोई सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत अपनी स्वायत्त संस्थाओं के माध्यम से भारत की देशज भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में सक्रिय रूप से कार्यरत है। साहित्य अकादमी, भाषा सम्मान के माध्यम से गैर-मान्यताप्राप्त और जनजातीय भाषाओं में योगदान को मान्यता देती है और लेखकों के आदान-प्रदान, प्रकाशनों, पुस्तक प्रदर्शनियों और वार्षिक अखिल भारतीय जनजातीय लेखक सम्मिलन के माध्यम से उनको सहायता प्रदान करती है। यह लोक और जनजातीय साहित्य के लिए केंद्र भी संचालित करती है और 'लोकः विविध स्वर' और ग्रामालोक जैसे आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करती है। 2021-2024 के कार्यक्रमों का ब्यौरा **अनुलग्नक** पर दिया गया है।

संगीत नाटक अकादमी (एसएनए), कला दीक्षा कार्यक्रम और गुरु-शिष्य परम्परा के माध्यम से 100 लुप्तप्राय कला विधाओं में व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसके द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की एक राष्ट्रीय सूची का रखरखाव किया

जाता है और भारत के 15 तत्वों को 2003 कन्वेंशन के तहत यूनेस्को की मानवता की आईसीएच की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है।

आईजीएनसीए भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत की संरक्षा के लिए प्रलेखन, डिजिटलीकरण, अनुसंधान और जागरूकता कार्यक्रम चलाता है। प्रमुख पहलों में, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के लिए भारत विद्या परियोजना (बीवीपी), वैदिक ग्रंथों के लिए 'वैदिक विरासत अभिलेखागार' और मौखिक परंपराओं और लोककथाओं के लिए 'लोक परम्परा' शामिल हैं। 'आदि दृश्य' कार्यक्रम के तहत देशज भाषाओं और शैल कला का अध्ययन किया जाता है, जबकि कला निधि डिजिटल पुस्तकालय दुर्लभ पांडुलिपियों और नृवंशविज्ञान रिकॉर्ड का संरक्षण करता है। पूर्वोत्तर भारत प्रलेखन परियोजना नागा, बोडो, मिज़ो और खासी जैसे समुदायों के मौखिक इतिहास और भाषाई संरचनाओं को दर्ज करती है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) देश भर में 6 लाख गांवों का मानचित्रण करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं, कला रूपों और रीति-रिवाजों को प्रलेखित कर रहा है।

सांस्कृतिक धरोहर के संवर्धन के लिए सरकार ने पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में 7 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं। ये जेडसीसी राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, शिल्पग्राम उत्सव, ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला, ऑक्टेव - पूर्वोत्तर महोत्सव, सलंगई नादम, नेशनल क्राफ्ट फेयर, राष्ट्रीय शिल्प मेला और पूर्वांचल लोक महोत्सव का आयोजन करते हैं। ये पहलें देश की सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

(ख): साहित्य अकादमी (एसए) स्थानीय और क्षेत्रीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य स्तरीय संस्थानों के साथ सहयोग करती है, जिसमें देशज भाषाओं और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठियां और कार्यशालाएँ शामिल हैं।

ललित कला अकादमी (एलकेए) प्रदर्शनियों, कला शिविरों और कार्यशालाओं के माध्यम से जनजातीय दृश्य कलाओं पर ध्यान केंद्रित करती है और जनजातीय कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करती है। यह कलाकारों को ग्राहकों और संग्रहकर्ताओं से जोड़ने के लिए दीर्घा स्थान भी उपलब्ध कराती है। हाल ही में, अपनी पब्लिक आर्ट ऑफ़ इंडिया (परी) परियोजना के तहत, एलकेए ने दिल्ली में विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) सम्मेलन के 46वें सत्र के दौरान देश भर के लोक और जनजातीय कलाकारों को सम्मिलित किया।

क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं।

2025 की गणतंत्र दिवस परेड के दौरान, संस्कृति मंत्रालय ने संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) के माध्यम से देश भर से चुने गए 5,000 लोक और जनजातीय कलाकारों की सबसे बड़ी नृत्य कोरियोग्राफी प्रस्तुत की।

अन्य प्रमुख पहलों में अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विरासत पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्राचीन पांडुलिपियों को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) शामिल है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) भारत के गांवों में क्षेत्रीय भाषाओं, कला रूपों, अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों का व्यवस्थित रूप से प्रलेखन कर रहा है, जो सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को पुनः प्रबलित करता है।

*****

अनुलग्नक-I

'देशज भाषाओं और सांस्कृतिक विरासत का परिरक्षण' के संबंध में दिनांक 10 फरवरी, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 984 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

2021 और 2024 के बीच अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजन की तिथि	आयोजन स्थल
1	अखिल भारतीय बोडो महिला लेखिकाओं का सम्मेलन	30 जून 2021	ऑनलाइन
2	तिवा कविता की वर्तमान स्थिति पर विचारगोष्ठी	19 जुलाई 2021	ऑनलाइन
3	जनजातीय भाषा और साहित्य पर विचारगोष्ठी	29 जुलाई 2021	ऑनलाइन
4	स्वदेशी कविता की खोज पर सम्मेलन	9-11 अगस्त 2021	ऑनलाइन
5	ओडिशा के जनजातीय इलाकों में कहानी सुनाने की परंपरा पर विचारगोष्ठी	31 अक्टूबर 2021	कोरापुट, ओडिशा
6	ओडिया लघु कथाओं में आदिवासी चेतना पर विचारगोष्ठी	28 नवंबर 2021	बालासोर , ओडिशा
7	जनजातीय भाषा और संस्कृति पर विचारगोष्ठी (गोत्र भाषा)	11 मार्च 2022	वायनाड, केरल
8	पश्चिमी क्षेत्र में आदिवासी साहित्य पर संगोष्ठी	27 मार्च 2022	मुंबई, महाराष्ट्र
9	दारांगी लोक संस्कृति और लोक साहित्य पर विचारगोष्ठी	8 जनवरी 2022	गुवाहाटी, असम
10	ग्रामलोक : लोक साहित्य-संस्कृति-व्याख्यान	3 फरवरी 2022	कलबुर्गी, कर्नाटक
11	साहित्यिक मंच: "उत्तर ओडिशा की लोक भाषाएँ"	15 अगस्त 2022	बालासोर, ओडिशा
12	मैथिली में राष्ट्रीय संगोष्ठी: "मैथिली साहित्य के संवर्धन में लोकगीतों और लोकमहाकाव्यों का योगदान"	20-21 नवंबर 2022	जमशेदपुर, झारखंड

13	विचारगोष्ठी: राजस्थानी लोक साहित्य का वर्तमान परिदृश्य	18 जनवरी 2023	उदयपुर, राजस्थान
14	मराठी संगोष्ठी: महाराष्ट्र का जनजातीय लोक साहित्य	16-17 फरवरी 2023	पालघर, महाराष्ट्र
15	"बंगाली साहित्य में लोक तत्व" पर साहित्यिक मंच	23 फरवरी 2023	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
16	ग्रामालोक : रचनात्मक साहित्य में लोककथा	27 जून 2023	पुदुचेरी
17	लोक: विविध स्वर (कोंकणी सिद्दी लोक नृत्य)	6 अगस्त 2023	मैंगलोर, कर्नाटक
18	साओरा भाषा सम्मेलन	22-23 अप्रैल 2023	ओडिशा
19	कुरमाली भाषा सम्मेलन	6-7 दिसंबर 2023	रांची, झारखंड
20	खारिया भाषा सम्मेलन	5-6 जुलाई 2024	रांची, झारखंड
21	कोरकू भाषा सम्मेलन	15-16 जुलाई 2024	भोपाल, मध्य प्रदेश
22	बैगानी भाषा सम्मेलन	23-24 अगस्त 2024	रायपुर, छत्तीसगढ़
23	न्यीशी भाषा सम्मेलन	27-28 सितंबर 2024	दोईमुखी , अरुणाचल प्रदेश

*****